Title: Need to withdraw the move to privatize the electricity department in Daman-Diu and Dadra-Nagar Haveli -Laid.

श्री दह्याभाई वल्लभभाई पटेल (दमन और दीव) : अध्यक्ष महोदय, दमन-दीव और दादरा नगर हवेली में बिजली को प्राइवेटाइज और कारपोरेटाइज करने की बात चल रही है। लेकिन दमन-दीव और दादरा नगर हवेली से बिजली में हम 240 करोड़ रूपये का हर साल लाभ कमाते हैं और केन्द्रीय सरकार को देते हैं। दमन-दीव और दादरा नगर हवेली में इलेक्ट्रिसिटी को प्राइवेटाइज और कारपोरेटाइज की प्रेजेंटेशन तैयार करने की गृह मंत्रालय और दमन प्रशासन को क्या जरूरत है ? 70 लाख रूपया दमन प्रशासन ने बिजली को प्राइवेटाइज और कारपोरेटाइज करने के लिए पावर ग्रिड नाम की कम्पनी को कंसलटिंग चार्ज दिया है। दमन-दीव प्रशासन और गृह मंत्रालय को यह देने की क्या जरूरत है। इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के अनुसार भी जो प्रोफिट कमाते हैं उसको प्राइवेटाइज और कारपोरेटाइज करने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम तो हर साल 240 करोड़ रूपया लाभ कमाते हैं। जब अंडमान निकोबार और लक्ष्यदीप में बिजली को प्राइवेटाइज और कारपोरेटाइज नहीं किया गया है तो दमन-दीव और दादरा नगर हवेली में इसको प्राइवेटाइज करने की क्या आवश्यकता है। गृह मंत्रालय और दमन प्रशासन इलेक्ट्रिसिटी को प्राइवेटाइज करना चाहते हैं लेकिन दमन-दीव और दादरा नगर हवेली की पूरी आम जनता और लेबर क्लास तथा सारे राजनैतिक और कर्मचारी संगठन तथा उद्योगपति और जनप्रतिनिधि सब बिजली वितरण को प्राइवेटाइज करने के खिलाफ हैं।

इसलिए मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि इस प्रस्ताव को तुरंत रद्द किया जाये और इस संबंध में प्रशासन को शीघ्र आदेश जारी किये जायें ताकि इस संघशासित प्रदेश की आम जनता राहत की सांस ले।